हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

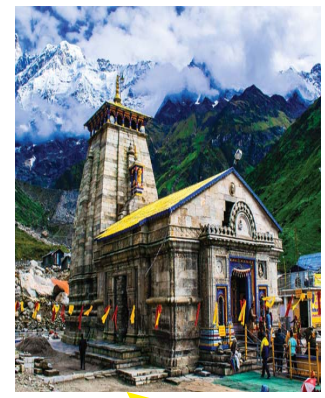

वर्षः5 अंकः07 पृष्ठः08 मुल्यः1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, शनिवार, 10 जनवरी 2026

जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार

लाखों नागरिकों तक पहुँची धामी सरकार, सुशासन का बना सशक्त मॉडल

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान प्रदेश में सुशासन, त्वरित समाधान और पारदर्शी प्रशासन का प्रभावी उदाहरण बनकर सामने आया है। यह कार्यक्रम न केवल सरकारी योजनाओं को आमजन तक पहुँचाने का माध्यम बना है, बल्कि जनता और सरकार के बीच विश्वास की मजबूत कड़ी भी साबित हो रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि 09 जनवरी 2026 तक प्रदेश के सभी 13 जनपदों में इस अभियान के अंतर्गत कुल 297 शिविरों का आयोजन किया जा चुका है। इन शिविरों में 2 लाख 13 हजार 341 नागरिकों ने प्रत्यक्ष सहभागिता की, जो इस बात का प्रमाण है कि सरकार की इस पहल को जनता

का व्यापक समर्थन मिल रहा है। शिविरों के माध्यम से आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और मौके पर ही समाधान का प्रयास किया गया।

इन शिविरों में कुल 24 हजार 247 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 16 हजार 458 शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिकायतों के समाधान में गति और गुणवत्ता दोनों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि जनता को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न सरकारी सेवाओं और योजनाओं से भी जोड़ा गया। आंकड़ों के अनुसार, विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्रों के लिए 33 हजार 158 आवेदन प्राप्त किए गए, जबकि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से 1 लाख 21 हजार 375 नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाया गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि अभियान केवल समस्याओं के समाधान तक सीमित नहीं है, बल्कि योजनाओं के लाभ को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम भी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' केवल एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा, समाधान और संवेदनशीलता का अभियान है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दूरस्थ, पर्वतीय और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाला प्रत्येक नागरिक भी बिना किसी बाधा के सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ उठा सके।

उन्होंने बताया कि अल्मोड़ा, हरिद्वार, टिहरी, पौड़ी, उधम सिंह नगर, देहरादून सहित सभी जनपदों में शिविरों के दौरान व्यापक जनभागीदारी देखने को मिली है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों और आवेदनों का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार आगे भी इसी प्रतिबद्धता के साथ जनता के द्वार तक पहुँचती रहेगी और सुशासन, पारदर्शिता एवं जनकल्याण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाए रखेगी।

सूचना का अधिकार जन सशक्तिकरण और पारदर्शी शासन का मजबूत आधार- मुख्यमंत्री धामी

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सचिवालय में आरटीआई अधिनियम (सूचना का अधिकार कानून) के लागू होने के 20 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में आरटीआई अधिनियम के तहत सराहनीय कार्य करने वाले 5 लोक सूचना अधिकारियों तथा 5 अपीलीय अधिकारियों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने जिन अधिकारियों को सम्मानित किया उनमें जिलाधिकारी बागेश्वर आकांक्षा कोंडे (तत्कालीन मुख्य विकास अधिकारी हरिद्वार), अभिनव शाह मुख्य विकास अधिकारी देहरादून, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी आयुष अग्रवाल, लोक सेवा आयोग उत्तराखण्ड के उपसचिव डॉ. प्रशांत, उप निदेशक प्रारंभिक शिक्षा एस.एस. चौहान, उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अनु सचिव राजन नैथानी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली, पिथौरागढ़ ललित मोहन जोशी, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी रामनगर वन प्रभाग कमला शर्मा, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा, से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी से लियाकत अली खान और जिला विकास अधिकारी हरिद्वार वेद प्रकाश शामिल हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है और पारदर्शी शासन व्यवस्था की आधारशिला है। इस अधिनियम ने शासन और नागरिकों के बीच विश्वास, पारदर्शिता और जवाबदेही का एक नया अध्याय खोला है। उन्होंने कहा कि इस क़ानून ने प्रत्येक नागरिक को शासन की नीतियों, निर्णयों और कार्यप्रणाली को समझने, प्रश्न पूछने और जवाबदेही सुनिश्चित करने का अधिकार प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की शासन व्यवस्था में सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की नई कार्यसंस्कृति विकसित हुई है। उन्होंने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस, ई-ऑफिस, ऑनलाइन पोर्टल, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और जन-सुनवाई जैसे माध्यमों ने शासन और जनता के बीच संबंध को और मजबूत बनाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार पारदर्शी, उत्तरदायी और जनोन्मुखी शासन व्यवस्था की दिशा में सतत कार्य कर रही है। राज्य में प्रशासनिक प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया गया है और अधिकांश सरकारी सेवाएं अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं, जिससे नागरिकों को जानकारी और सेवाओं की उपलब्धता में सुगमता आई है। मुख्यमंत्री ने आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल और आयोग की हाइब्रिड सुनवाई व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि इससे न्याय प्रक्रिया और भी सुलभ हुई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक राज्य सूचना आयोग में 13 लाख से अधिक आरटीआई आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से अधिकांश का सफलतापूर्वक निस्तारण किया जा चुका है। वर्तमान में केवल 700 प्रकरण लंबित हैं, जो आयोग की दक्षता का प्रमाण हैं। मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की निष्ठा, पारदर्शिता और संवेदनशीलता की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने नागरिक अधिकारों की रक्षा में प्रशंसनीय भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सूचना का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है, उतनी ही इसके उपयोग में जिम्मेदारी भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में इस अधिनियम का दुरुपयोग देखा गया है, जिस पर रोक लगाने के लिए जनजागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक विभाग उन सूचनाओं को अपनी वेबसाइट पर नियमित रूप से प्रदर्शित करे जिनकी बार-बार मांग की जाती है, ताकि नागरिकों को स्वतः जानकारी मिल सके और पारदर्शिता बढ़े।

इस अवसर पर मुख्य सूचना आयुक्त राधा रतूड़ी, राज्य सूचना आयुक्त देवन्द्र कुमार आर्य, दलीप सिंह कुंवर, कुशलानन्द, उत्तराखण्ड अवस्थापन अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष विश्वास डाबर मौजूद थे।

भारतीय भाषाएं एक दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं – उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन

पथ प्रवाह, नई दिल्ली

भारतीय भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन और वैश्विक संवाद को सशक्त करने के उद्देश्य से तृतीय अंतरराष्ट्रीय भारतीय भाषा सम्मेलन-2026 का आयोजन 9 से 11 जनवरी 2026 तक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति सी.पी.राधाकृष्णन ने किया। यह सम्मेलन भारतीय भाषाई परम्परा, साहित्य, संस्कृति और समकालीन भाषायी विमर्श के विविध आयामों पर केंद्रित होगा। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता आईजीएनसीए के अध्यक्ष और प्रख्यात चिंतक, विद्वान पद्म भूषण रामबहादुर राय ने की। इस पर पूर्व केन्द्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक', अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद् के महासचिव

श्याम परांडे, स्वागताध्यक्ष, जापान के वरिष्ठ भाषाविद् पद्म तोमियो मिज़ोकामि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी और दिल्ली विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा विभाग के अध्यक्ष प्रो. रवि प्रकाश टेकचंदानी भी उपस्थित थे। मंच संचालन अंतरराष्ट्रीय भारतीय भाषा सम्मेलन के निदेशक अनिल जोशी ने किया।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट विद्वानों एवं शिक्षाविदों की गरिमामयी सहभागिता रही। इस सम्मेलन में देश के विभिन्न प्रांतों के अतिरिक्त 25 से ज़्यादा देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने एक चित्र प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

मुख्य अतिथि के रूप उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा, भाषाएं सभ्यता की जीवित चेतना हैं, क्योंकि ये केवल संवाद का साधन नहीं हैं, बल्कि स्मृति, संस्कृति, परम्परा और पीढ़ियों से हस्तांतरित मूल्यों की वाहक भी हैं। भारत की एकता कभी एकरूपता पर आधारित नहीं रही है; इसकी बजाय, यह कई भाषाओं के बीच आपसी सम्मान पर कायम रही है, जो साझा सभ्यतागत दृष्टिकोण और धर्म से जुड़ी हुई हैं। भारतीय भाषाएं एक दूसरे की विरोधी नहीं हैं; बल्कि ये एक-दूसरे की पूरक हैं और इस प्रकार वे दर्शन, ज्ञान और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को समृद्ध करती हैं।

उन्होंने कहा कि प्राचीन शिलालेखों और ताड़पत्रों से लेकर आधुनिक डिजिटल रूपों तक, भाषाओं ने मानव विचारों को आकार दिया, ज्ञान को संरक्षित किया और सामूहिक कल्पना को पोषित किया है। आज हमारी जिम्मेदारी केवल भाषाई विविधता की रक्षा करना ही नहीं है, बल्कि लुप्त होती भाषाओं का समर्थन करना और उन्हें शिक्षा और तकनीक के माध्यम से आत्मविश्वास के साथ ले आगे जाना भी है। इस प्रकार, प्रत्येक भाषा का सम्मान करते हुए हम प्रत्येक भारतीय की गरिमा को संरक्षित करते हैं, क्योंकि भारत एक है और हमेशा एक रहेगा।

डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कहा कि भारतीय भाषाएं केवल संवाद का साधन नहीं हैं, बल्कि वे संस्कृति, ज्ञान, दर्शन और सामाजिक मूल्यों की वाहक हैं। उन्होंने यह भी बताया कि हमारी भाषाओं ने मानव चेतना और परम्पराओं को संजोकर पूरी दुनिया में भारत की सभ्यता और ज्ञान का प्रचार किया है। उन्होंने कहा कि योग, आयुर्वेद, साहित्य और दर्शन जैसी अमूल्य धरोहरें हमारी भाषाओं के माध्यम से विश्व में फैल रही हैं।

नवनियुक्त प्रदेश मोर्चा पदाधिकारियों का जिला कार्यालय में हुआ अभिनंदन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। भाजपा जिला कार्यालय में नवनियुक्त प्रदेश मोर्चा पदाधिकारियों का स्वागत और अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा व जिला प्रभारी अनिल गोयल और सह प्रभारी दीपक धमीजा, महापौर किरण जैसल व प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विकास तिवारी द्वारा युवा मोर्चा से नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत और अभिनंदन किया गया।

नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष विक्रम भुल्लर व प्रदेश मंत्री तरुण चौहान, अनुसूचित मोर्चा से नवनियुक्त प्रदेश मंत्री संजीव कुमार, अल्पसंख्यक मोर्चा से प्रदेश उपाध्यक्ष राव जमीर व प्रदेश मीडिया संयोजक शफी लोधा, अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा से प्रदेश उपाध्यक्ष मुनीश पाल, प्रदेश महामंत्री ओबीसी मोर्चा राजवीर कश्यप, प्रदेश प्रवक्ता संदीप सिंघानिया, गढ़वाल संयोजक ओबीसी मोर्चा डॉ प्रदीप कुमार, किसान मोर्चा से प्रदेश उपाध्यक्ष जगपाल सैनी, सोशल मीडिया सहसंयोजक अंकुर चौधरी, प्रदेश आई टी संयोजक नितिन कुमार तथा महिला मोर्चा से नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष रीता चमोली, प्रदेश आईटी संयोजक रंजना चतुर्वेदी का बीजेपी का पटका पहनाकर और पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन और स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भाजपा हरिद्वार आशुतोष शर्मा ने सभी पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी लोगों के नेतृत्व में पार्टी नई ऊंचाइयों को छूएगी और आपसे अपेक्षा है कि आप पार्टी रीति नीति और उत्तराखंड और केंद्र सरकार की उपलब्धियां को जन जन तक लेकर जाएंगे। उन्होंने इस अवसर पर सभी नवनियुक्त पदाधिकारी को कहा कि आप सभी पार्टी की विचारधारा और पार्टी के गाइडलाइन के अनुसार ही काम करें। भारतीय जनता पार्टी एक अनुशासित पार्टी है जो सभी लोगों को साथ लेकर चलती है।

पदाधिकारी और कार्यकर्ता जुट जाएं चुनाव की तैयारी में

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष और भाजपा जिला हरिद्वार प्रभारी अनिल गोयल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। और भाजपा की रीति और नीति से प्रभावित होकर अनेकों लोग भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। जिन लोगों को नवीन दायित्व मिला है उन्हें सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी को साथ लेकर विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी में जुट जाना है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी 2027 में पुनः सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मोर्चे का अपना अलग महत्व है। जहां युवा मोर्चा युवाओं को पार्टी से जोड़ने का काम करता है। वहीं महिला मोर्चा महिला सशक्तिकरण और महिला सम्मान को बढ़ने का काम करता है। उन्होंने कहा कि किसान मोर्चा किसानों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने का काम करता है। और अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति मोर्चा अपने लोगों के बीच जाकर पार्टी की विचारधारा और सरकार के कार्यों को बताने का काम करेंगे। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारी को बधाई और शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में ये मुख्य रूप से मौजूद रहे

इस अवसर पर जिला महामंत्री संजीव चौधरी, हीरा सिंह बिष्ट, जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा, निपेंद्र चौधरी, सीमा चौहान, मनोज शर्मा, शर्मिला बगवाड़ी, विमला देवी, रजनी वर्मा, प्रीति गुप्ता, जसवीर चौधरी, तेलुराम प्रधान, नकली राम सैनी, धर्मेंद्र सिंह चौहान, एजाज हसन, लोकेश पाल, अमरीन राव, भूप सिंह, पारुल चौहान, मन्नू रावत, तिलक राम सैनी, सतीश कुमार, जमील अहमद, सुखबीर प्रधान, रविंद्र सैनी, पवनदीप कुमार, सतीश कुमार, सुनील प्रजापति, मोहम्मद सफी, लव कपूर, दीपक कुमार, विवेक कुमार, अंकित कुमार, नितिन वालिया, डॉक्टर निवेश, बृजमोहन पोखरियाल, दीपक सैनी, नीरज सैनी, राजवीर कलियन, हितेश चौहान, संदीप प्रधान, प्रखर कश्यप, चदकिरण सिंह सहित प्रदेश, जिला व मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर

अवैध कच्ची शराब के साथ 3 शराब तस्कर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, हरिद्वार द्वारा नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी/बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के?लिए सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। निर्देशों के अनुपालन में कोतवाली लक्सर पुलिस द्वारा थाना स्तर से अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन कर क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। गठित पुलिस टीमों द्वारा लक्सर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से 3 व्यक्तियों को 25 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ दबोचा गया। अवैध शराब के साथ पकड़े गए आरोपियों के विरुद्ध कोतवाली लक्सर पर आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। आरोपियों के नाम मदन पुत्र कल्लू सिंह, निवासी ग्राम टांडा भागमल, थाना कोतवाली लक्सर, अर्जुन पुत्र गोरखा, निवासी टांडा भागमल, थाना कोतवाली लक्सर, सोनू पुत्र जग्गन लाल, निवासी पंचेवली, थाना कोतवाली लक्सर, जनपद हरिद्वार है।

युवाओं की नशों में जहर घोलने वाले नशा तस्करों पर कड़ा प्रहार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। प्रदेश को ड्रग मुक्त करने व नशा तस्करों के विरुद्ध हरिद्वार पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान को सफल बनाने के लिए एसएसपी के निर्देश पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक थाना बुग्गावाला द्वारा युवाओं की नशों में जहर घोलने वाले नशा तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु अलग-अलग टास्क दिये गये है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक बुग्गावाला द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों की धरपकड़ हेतु अलग-अलग टीमों का गठन किया गया, तथा मुखबीर तन्त्र को सक्रिय किया गया। पुलिस टीम द्वारा मुजाहिदपुर सिकरोढा जाने वाले रास्ते के तिराहे से आरोपी सोनू पुत्र इकबाल नि0 लालवाला मजबता बन्दरजूड थाना बुग्गावाला जनपद हरिद्वार को 2.80 ग्राम अवैध स्मैक/हेरोइन के साथ पकडा गया। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा अंकिता भंडारी प्रकरण में सीबीआई जांच की संस्तुति जनभावनाओं का सम्मानः विकास तिवारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वर्गीय अंकिता भंडारी के माता-पिता की अनुरोध व उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए अंकिता भंडारी प्रकरण की छ्ठ्ठ्र जांच कराए जाने की संस्तुति प्रदान की है। भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विकास तिवारी ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य शुरू से अंत तक निष्पक्ष, पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से न्याय सुनिश्चित करना रहा है और आगे भी रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय बहन अंकिता भंडारी के साथ हुई इस अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक घटना की जानकारी मिलते ही राज्य सरकार ने बिना किसी विलंब के पूर्ण संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ कार्रवाई की। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक महिला आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (स्ठ्ठ्र) का गठन किया गया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रकरण से जुड़े सभी अभियुक्तों को शीघ्र गिरफ्तार किया गया तथा राज्य सरकार की ओर से प्रभावी एवं सशक्त पैरवी सुनिश्चित की गई, जिसका परिणाम यह रहा कि विवेचना और ट्रायल के दौरान किसी भी अभियुक्त को जमानत नहीं मिल सकी। स्ठ्ठ्र द्वारा गहन विवेचना के पश्चात अभियुक्तों के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल की गई और निचली अदालत द्वारा सुनवाई पूर्ण होने पर अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

विकास तिवारी ने कहा कि यह पूरे प्रकरण में इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि राज्य सरकार ने आरंभ से लेकर अंत तक निष्पक्षता, पारदर्शिता और दृढ़ता के साथ न्याय सुनिश्चित किया है। साथ ही, हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही कुछ ऑडियो क्लिप्स के संबंध में भी अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिन पर जांच की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

विकास तिवारी ने दो टूक कहा कि सरकार की मंशा पूरी तरह स्पष्ट है और किसी भी तथ्य या साक्ष्य की अनदेखी नहीं की जाएगी। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि अंकिता केवल एक पीड़िता नहीं थी, बल्कि वह हमारी भी बहन और बेटी थी।

विकास तिवारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने स्वयं जानकारी दी कि हाल ही में उन्होंने स्वयं स्वर्गीय अंकिता भंडारी के माता-पिता से मुलाकात की, जिसमें बातचीत के दौरान उन्होंने मामले की छ्ठ्ठ्र जांच कराए जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय अंकिता के माता-पिता के इस अनुरोध और उनकी भावनाओं का पूर्ण सम्मान करते हुए राज्य सरकार ने इस प्रकरण की छ्ठ्ठ्र से जांच कराने का निर्णय लिया है।

विकास तिवारी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार पहले भी न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध रही है और आगे भी पूरी दृढ़ता एवं संवेदनशीलता के साथ स्वर्गीय बहन अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए संकल्पबद्ध रहेगी।

ऋषिकुल मैदान में लगे एनएचआईए के जांच शिविर में 180 लोगों ने करायी स्वास्थ्य की जांच

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

37वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत शुक्रवार को एनएचएआई द्वारा ऋषिकुल मैदान में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर की खास बात यह रही कि इसका शुभारंभ तीन साल की बच्ची ने फीता काटकर किया।

एनएचएआई प्रोजेक्ट मैनेजर अतुल शर्मा ने बताया 37वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जहां यातायात के प्रति जागरूक किया जा रहा है वहीं अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। इसीक्रम में स्वास्थ्य ?शिविर का आयोजन किया गया। ऋषिकुल ग्राउंड में यह शिविर एनएचएआई की अधिकृत एजेंसी एनएचआईटी सोल्यूशन प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा परिवहन विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर के माध्यम से अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा हेल्थ एवं आई चेकअप किया गया। शुभारंभ एक 3 वर्षीय बालिका हरिश्री खंडेलवाल के हाथों से कराया गया। शिविर में 180 से अधिक लोगों ने अपने स्वास्थ्य और आंखों की जांच करायी। इस दौरान कैंप में पहुंचे सभी वाहन चालकों को यातायात नियमों से संबंधित जानकारी दी गई। सभी को अपने स्वास्थ्य को लेकर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया गया। हेल्थ चेकअप के लिए जया मैक्सवेल हॉस्पिटल के चिकित्सकों की टीम और आई चेकअप के लिए नेत्रधाम हॉस्पिटल की टीम द्वारा जांच की गई। इस दौरान विशाल गोयल परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, एनएचआईटी प्रोजेक्ट मैनेजर संतोष साई, एआरटीओ निखिल शर्मा, केसी पलारिया, नेहा झा व वरुणा सैनी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

समन्वय स्थापित कर सकुशल संपन्न कराए शांतिकुंज का पांच दिवसीय कार्यक्रमः डीएम

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

शांतिकुंज द्वारा अखंड दीपक शताब्दी वर्ष के अंतर्गत 20 जनवरी से 24 जनवरी तक आयोजित होने वाले महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक में जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के माध्यम से किए जाने वाले सहयोग एवं व्यवस्थाओं को लेकर वार्ता की गई। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एनआईसी सभागार में हुई इस बैठक में शांतिकुंज के पदाधिकारी और संबंधित विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि शांतिकुंज द्वारा अखंड दीपक शताब्दी वर्ष के अंतर्गत जो भी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है उन कार्यक्रमों की सफलता के लिए जिस विभाग से जो भी सहायता एवं व्यवस्था की जानी है, इसके लिए सभी अधिकारी शांतिकुंज से समन्वय स्थापित करते हुए सभी व्यवस्था समय से पूर्ण कर ली जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक यातायात से

कहा की शांतिकुंज से बैरागी कैंप तक ट्रैफिक प्लान तैयार किया जाए और वाहनों के लिए निर्धारित किए गए पार्किंग स्थलों पर साइन बोर्ड भी लगाए जाए, जिससे कि वाहन पार्किंग में कोई असुविधा न होने पाए।

उन्होंने नगर निगम को निर्देश दिए ही कि बैरागी कैंप स्थित सभी पार्किंग स्थलों की साफ सफाई के साथ साथ क्षेत्र में जो भी अतिक्रमण है उसके भी तत्काल हटाने के निर्देश दिए।उन्होंने सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड को भी बैरागी कैंप एवं उनके अधीन जिस भूमि में अतिक्रमण है उनको भी तत्काल हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत विभाग को भी निर्देश दिए ही कि विद्युत व्यवस्था दूरस्त रहे इसके लिए उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर 02 जूनियर इंजीनियर दिन एवं रात्रि के लिए तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होंने अग्निशमन को भी निर्देश दिए है कि फायर सेफ्टी उपकरण एवं फायर वाहन कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्था में रखे जाएं। जल संस्थान को निर्देश दिए है कि कार्यक्रम स्थल पर समुचित पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था निरंतर रहे साथ ही पानी के टैंकर रखने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम की सफलता के लिए अपर जिलाधिकारी प्रशासन पी आर चौहान को ऑल ओवर अधिकारी नामित किया। प्रशासन की ओर से सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान एवं पुलिस विभाग की ओर से एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह को नोडल अधिकारी नामित किया गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी जिलाधिकारी प्रशासन पी आर चौहान, एसपी ट्रैफिक/क्राइम जितेंद्र मेहरा, एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह, एचआरडीए सचिव मनीष कुमार, अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती, सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, एसीएमओ डॉ अनिल वर्मा, प्रोजेक्ट मैनेजर पेयजल निगम (गंगा) मीनाक्षी मित्तल, सीओ ट्रैफिक संजय चौहान, अग्निशामक अधिकारी वंश बहादुर यादव, अधिशासी अभियंता दीपक कुमार, अधिशासी अभियंता यूपीसीएल दीपक सैनी, डीएसओ श्याम आर्य, उप मुख्य नगर आधिकारी दीपक गोस्वामी, शांतिकुंज के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

एक नजर

52 पव्वे अवैध देशी शराब के साथ एक आरोपी को दबोचा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। उतराखण्ड 'ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान'' के अन्तर्गत प्रभारी निरीक्षक द्वारा अवैध देशी/ कच्ची शराब/अवैध नशा तस्करों की धरपकड़ हेतु अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है इसी क्रम में एक आरोपी को अवैध रूप से 52 पव्वे देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम द्वारा शहीदवाला ग्रन्ट से आरोपी वाजिद पुत्र नूरमोहम्मद नि0 शहीदवाला ग्रन्ट थाना बुग्गावाला जनपद हरिद्वार को 52 पव्वे देशी शराब के साथ पकडा गया। गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस के मुताबिबक आरोपी के आपराधिक इतिहास की जानाकारी की जा रही है।

अवैध चाकू के साथ एक व्यक्ति को पकड़ा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद में संदिग्ध व्यक्ति/वाहन की चैकिंग के दौरान कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने एक संदिग्ध को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक संदिग्ध व्यक्ति की चैकिंग हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत ज्वालापुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान रेगुलैटर पुल पर जंगल वाली नहर पटरी की तरफ ज्वालापुर से आरोपी अमित कुमार पुत्र कालूराम निवासी विष्णु लोक कॉलोनी थाना रानीपुर हरिद्वार को अवैध चाकू के साथ पकडा। आरोपी के कब्जे से 1 अवैध नाजायज बरामद हुआ है। आरोपी के विरुद्ध कोतवाली ज्वालापुर पर शस्त्र अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया।

हरिद्वार पुलिस की बडी कार्रवाई, लूट का आरोपी गैंगस्टर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

एसएसपी हरिद्वार द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों एवं सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध चलाये गये संघन अभियान एवं कार्यवाही के निर्देश पर जनपद पुलिस लगातार अपराधियों पर कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में थाना झबरेड़ा पुलिस ने एक गैंगस्टर को पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक कोतवाली मंगलौर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 02/2026 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट से सम्बन्धित वांछित आरोपी जो कि मंगलौर क्षेत्र में लूटपाट की घटना को अंजाम देने के मामले वांछित था उसे गिरफ्तार किया। पुलिस ने लूट के इस आरोपी को पनियाला रोड तिराहा थाना गंगनहर से झबरेडा पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया। आरोपी का नाम साहिल पुत्र

नौबाहार मूल निवासी ग्राम लिब्बरहेडी थाना कोतवाली मंगलौर जिला हरिद्वार हाल निवासी ग्राम तेलीवाला थाना कोतवाली गंगनहर है।

आईटीसी कर्मचारियों को दिलाया सुरक्षित सफर का संकल्प

पथ प्रवाह, हरिद्वार। यातायात निदेशालय के निर्देशन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के मार्गदर्शन तथा पुलिस अधीक्षक यातायात के पर्यवेक्षण में हरिद्वार यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा - जीवन रक्षा माह के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस उपाधीक्षक यातायात संजय चौहान एवं निरीक्षक यातायात संदीप सिंह नेगी द्वारा आईटीसी कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को यातायात नियमों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर कर्मचारियों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने के प्रति जागरूक किया गया। कोहरे के समय रिफ्लेक्टर बेल्ट का प्रयोग करने और वाहन को निर्धारित यातायात नियमों के

अनुरूप सुरक्षित रूप से चलाने पर जोर दिया। इस दौरान सड़क पर स्वयं एवं अन्य राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ऑडियो-वीडियो माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई। आईटीसी कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उक्त जानकारी को अत्यंत उपयोगी एवं जीवन रक्षक बताते हुए यातायात नियमों का पूर्ण पालन करने का संकल्प लिया गया।

सफाई व्यवस्था के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम में दर्ज हुई 55 शिकायतें

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपद में स्वच्छता अभियान की सफलता के लिए बनाए गए कंट्रोल का अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। सुझाव और शिकायत के लिए बनाए गए कन्ट्रोल रूम में अब तक 55 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें से 41 ?शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है।

नोडल अधिकारी कंट्रोल रूम मणिकांत त्रिपाठी ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशन में विकास भवन में स्वच्छता अभियान के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जनपद में वृहद स्वच्छता अ?भियान के सफलता के लिए कोई भी व्यक्ति अपना सुझाव एवं शिकायत कंट्रोल रूम के माध्यम से दर्ज करा सकता है। कन्ट्रोल रूम को सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के लिए आमजन की शिकायतें और सुझाव प्राप्त हो रहे हैं। अब तक कन्ट्रोल रूम में 55 शिकायतें दर्ज कराई गई, जिसमें से 41 शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है। शेष 14 शिकायतों को निस्तारण के लिए सम्बधित विभागों को प्रेषित किया गया है। स्वच्छता अभियान के किसी भी सुझाव एवं शिकायत के लिए मोबाइल नंबर 8273371714 जारी किया गया है। इस नंबर पर कार्य दिवसों में प्रातः10 बजे से सायं 5 बजे तक ही शिकायत या सुझाव दर्ज किया जा सकता है। कंट्रोल रूम पर दर्ज शिकायतों को संबंधित विभाग को भेजकर उनका समाधान कराया जा रहा है।

संपादकीय

सर्दी के मौसम में गरम सियासत और मुख्यमंत्री धामी की निर्णायक राजनीति

उत्तराखंड में जनवरी का महीना आमतौर पर कड़ाके की सर्दी के लिए जाना जाता है, लेकिन यहां की राजनीति में इस समय तापमान पूरी तरह से गरम है। एक ओर ठंड से जनजीवन प्रभावित है, तो दूसरी ओर सियासी पारा लगातार ऊपर चढ़ता जा रहा है। प्रदेश की भाजपा सरकार विपक्ष के हर हमले का न सिर्फ सामना कर रही है, बल्कि हर मोर्चे पर करारा जवाब देने में भी सफल नजर आ रही है।

अंकिता भंडारी प्रकरण को लेकर विपक्ष लंबे समय से सरकार को घेरने की कोशिश में था। लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस संवेदनशील मामले में सीबीआई जांच की संस्तुति कर विपक्ष के हाथ से यह बड़ा राजनीतिक मुद्दा छीन लिया। यह फैसला न सिर्फ नैतिक साहस का परिचायक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सरकार किसी भी स्तर पर पारदर्शिता से पीछे नहीं हटेगी। यही कारण है कि विपक्ष की आक्रामक राजनीति इस मुद्दे पर धीरे-धीरे कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है।

वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की महत्वाकांक्षी पहल 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अब केवल नारा नहीं रही, बल्कि इसके सकारात्मक परिणाम जमीन पर दिखने लगे हैं। जनता से सीधा संवाद, समस्याओं का मौके पर समाधान और प्रशासनिक संवेदनशीलता ने सरकार की छवि को मजबूती दी है। यही वजह है कि तराई क्षेत्र में अंकिता भंडारी प्रकरण के बावजूद भाजपा को किसी बड़े राजनीतिक नुकसान का सामना नहीं करना पड़ा।

हालांकि, अगर पर्वतीय क्षेत्रों की बात करें तो तस्वीर थोड़ी अलग नजर आती है। यहां की जनता भावनात्मक रूप से अधिक संवेदनशील है और भरोसा बनाए रखना किसी भी सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को यह भली-भांति समझना होगा कि पर्वतीय समाज का विश्वास केवल निर्णयों से नहीं, बल्कि दूरदर्शी योजनाओं और स्थायी समाधान से ही कायम रह सकता है।

यह कहना गलत नहीं होगा कि एक युवा मुख्यमंत्री के तौर पर पुष्कर सिंह धामी अब तक शानदार पारी खेल रहे हैं। उनकी कार्यशैली, त्वरित निर्णय और जमीनी पकड़ उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाती है। लेकिन राजनीति में हैट्रिक लगाना आसान नहीं होता। इसके लिए केवल वर्तमान उपलब्धियां नहीं, बल्कि भविष्य की ठोस रणनीति भी जरूरी होती है।

यदि मुख्यमंत्री पर्वतीय क्षेत्रों के लिए रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा और पलायन रोकने जैसी समस्याओं पर दीर्घकालिक योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करते हैं, तो न सिर्फ जनता का विश्वास बरकरार रहेगा, बल्कि उनकी राजनीतिक हैट्रिक की राह भी और मजबूत होगी।

कुल मिलाकर कहा जाए तो ठंड के इस मौसम में उत्तराखंड की राजनीति गर्म है, और इस गर्माहट के केंद्र में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की निर्णायक और सक्रिय नेतृत्व शैली साफ नजर आ रही है।

विश्व में हिन्दी की बढ़ती साख: भारत में उपेक्षा क्यों?

ललित गर्ग

हर वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाने वाला विश्व हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक या प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हिंदी भाषा की वैश्विक यात्रा, उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा, उसके सामने उपस्थित चुनौतियों और हमारे अपने राष्ट्रीय आचरण की विडंबनाओं पर गहन चिंतन का अवसर है। यह दिन हमें उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति कराता है जब पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी बोली गई थी और भारत की सांस्कृतिक आत्मा ने विश्व मंच पर अपनी मौलिक पहचान दर्ज कराई थी। आज स्थिति यह है कि हिंदी विश्व में सम्मान, स्वीकार्यता और लोकप्रियता की नई ऊँचाइयों को छू रही है, लेकिन अपने ही देश में वह अपेक्षा, उपेक्षा और संकोच के बीच झूलती दिखाई देती है। यही विरोधाभास विश्व हिंदी दिवस को और अधिक प्रासंगिक बना देता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में फैले हिंदी जानकारों, हिन्दीभाषियों को एकजुट करना, हिन्दी को विश्व स्तर पर स्थापित एवं प्रोत्साहित करना और हिंदी की आवश्यकता से अवगत कराना है। अंग्रेजी भाषा भले ही दुनियाभर के कई देशों में बोली है और लिखी जाती है लेकिन हिंदी हृदय की भाषा है। विश्व हिन्दी दिवस विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करने तथा हिन्दी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिलाने का प्रभावी उपक्रम है।

हिंदी मात्र संवाद की भाषा नहीं है, वह भारतीय सभ्यता, संस्कृति, संवेदना और सामूहिक चेतना की वाहक है। यह लोक से उपजी, लोक में पली और लोक के लिए ही जीने वाली भाषा है। हिंदी का सबसे बड़ा गुण उसकी सहजता, सरलता और वैज्ञानिक संरचना है। यह ध्वन्यात्मक भाषा है, जिसमें जैसा लिखा जाता है वैसा ही बोला जाता है, जिससे इसे सीखना और अपनाना अपेक्षाकृत सरल हो जाता है। यही कारण है कि जिन देशों में भारतीय प्रवासी बसे हैं, वहां हिंदी ने सहज ही अपनी जड़ें जमा ली हैं। एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका तक हिंदी आज केवल भारतीयों की भाषा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संवाद की भाषा बनती जा रही है। योग, आयुर्वेद, भारतीय दर्शन, बॉलीवुड, भक्ति साहित्य और डिजिटल माध्यमों ने हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह दुनिया की तीसरी या चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, अंग्रेजी और मंदारिन चीनी के बाद, और भारत के साथ-साथ नेपाल, मॉरीशस, फिजी जैसे देशों में भी इसका व्यापक उपयोग है और यह विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो रही है।

विश्व में लगभग साठ-सत्तर करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते, समझते या किसी न किसी रूप में उससे जुड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी की उपस्थिति निरंतर बढ़ रही है। विश्व हिंदी सम्मेलन, जिसकी शुरुआत 1975 में नागपुर में हुई थी, आज एक वैश्विक वैचारिक आंदोलन का रूप ले चुका है। इन सम्मेलनों ने यह सिद्ध किया है कि हिंदी केवल भावनाओं या साहित्य की भाषा नहीं, बल्कि विचार, विज्ञान, कूटनीति और वैश्विक संवाद की भी सक्षम भाषा है। हिंदी को वैश्विक मंच पर आत्मसम्मान और स्वाभिमान के साथ प्रस्तुत करने का श्रेय यदि किसी भारतीय नेता को जाता है, तो वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हैं। 1977 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया उनका भाषण केवल भाषण नहीं था, बल्कि वह एक सांस्कृतिक उद्घोषणा थी। अटल बिहारी वाजपेयी ने यह सिद्ध कर दिया कि हिंदी में भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति, शांति, निरस्त्रीकरण और मानवता जैसे गहन विषयों पर प्रभावी संवाद संभव है। उनके लिए हिंदी भावुक आग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्रबोध की सशक्त अभिव्यक्ति थी। उन्होंने हिंदी को सत्ता की भाषा बनाने का प्रयास नहीं किया, बल्कि उसे संवाद और आत्मगौरव की भाषा के रूप में प्रतिष्ठित किया।

वैश्वीकरण और उदारीकरण के दौर में हिंदी की यात्रा कुछ हद तक धीमी अवश्य हुई, विशेष रूप से शासन और उच्च प्रशासनिक स्तर पर। अंग्रेज़ी को आधुनिकता, सफलता और वैश्विकता का प्रतीक मान लिया गया, जबकि हिंदी को प्रायः भावनात्मक या घरेलू दायरे में सीमित कर दिया गया। शिक्षा, न्यायपालिका, कॉर्पोरेट जगत और उच्च प्रशासन में हिंदी अपेक्षित स्थान नहीं बना सकी। हालांकि हिंदी साहित्य, पत्रकारिता और सिनेमा ने इस दौर में भी अपनी सृजनात्मक ऊर्जा बनाए रखी, लेकिन नीतिगत स्तर पर हिंदी को वह प्राथमिकता नहीं मिल पाई जिसकी वह हकदार थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हिंदी ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ उपस्थिति दर्ज कराई है। वे विश्व के किसी भी मंच पर हिंदी में बोलने से संकोच नहीं करते। संयुक्त राष्ट्र महासभा, जी-20 सम्मेलन, शंघाई सहयोग संगठन या प्रवासी भारतीयों के कार्यक्रम, हर जगह उनकी हिंदी यह संदेश देती है कि अपनी भाषा में बोलना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। नरेंद्र मोदी ने हिंदी को अनुवाद की बैसाखी के सहारे नहीं, बल्कि उसकी मौलिक शक्ति के साथ प्रस्तुत किया। डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया जैसे अभियानों में हिंदी को केंद्र में रखा गया, जिससे आम नागरिक का शासन से संवाद अधिक सुलभ और प्रभावी हुआ। सरकारी योजनाओं, मोबाइल ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिंदी की बढ़ती उपस्थिति ने यह सिद्ध किया कि तकनीक और हिंदी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं।

इसके बावजूद यह एक कटु सत्य है कि हिंदी आज विश्व में जितनी प्रतिष्ठित हो रही है, उतनी ही अपने ही देश में उपेक्षित होती जा रही है। अंग्रेज़ी को सामाजिक प्रतिष्ठा और बौद्धिक श्रेष्ठता का पैमाना बना दिया गया है। माता-पिता अपने बच्चों को अंग्रेज़ी माध्यम में पढ़ाकर गर्व महसूस करते हैं, जबकि हिंदी माध्यम को हीन दृष्टि से देखा जाता है। यह समस्या भाषा की नहीं, मानसिकता की है। यह मानसिक गुलामी है, जो हमें अपनी ही भाषा से दूर करती जा रही है। राजनीतिक दल हिंदी की बात तो करते हैं, लेकिन उसे शिक्षा, न्याय और प्रशासन की मुख्यधारा में स्थापित करने के लिए ठोस इच्छाशक्ति का अभाव दिखाई देता है। हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा भी है, यह तथ्य अक्सर उपेक्षित रह जाता है। इसकी वर्णमाला उच्चारण विज्ञान पर आधारित है। इसमें नए शब्द गढ़ने और विदेशी शब्दों को आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता है। संस्कृत से जुड़ी होने के कारण यह तकनीकी, दार्शनिक और वैज्ञानिक शब्दावली के निर्माण में पूरी तरह सक्षम है। हिंदी में भावनाओं की अभिव्यक्ति जितनी सहज है, उतनी ही तार्किक और बौद्धिक विमर्श की भी क्षमता है। यही कारण है कि हिंदी जनभाषा होते हुए भी वैश्विक संवाद की भाषा बनने की पूरी क्षमता रखती है।

सच्चाई तो यह है कि देश में हिंदी अपने उचित सम्मान को लेकर जूझ रही है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान आजादी के अमृत महोत्सव मना चुके राष्ट्र में अंग्रेजी को मिल रहा है। अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषाओं की सहायता जरूर ली जाए लेकिन तकनीकी एवं कानून की पढ़ाई एवं राजकाज की भाषा के माध्यम के तौर पर अंग्रेजी को प्रतिबंधित या नियंत्रित किया जाना चाहिए। आज भी भारतीय न्यायालयों में अंग्रेजी में ही कामकाज होना राष्ट्रीयता को कमजोर कर रहा है। हिन्दी के बहुआयामी एवं बहुतायत उपयोग में ही राष्ट्रीयता की मजबूती है, जीवन है, प्रगति है और शक्ति है किन्तु इसकी उपेक्षा में विनाश है, अगति है और स्खलन है। एथनोलॉग के वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के 22वें संस्करण में बताया गया है कि दुनियाभर की 20 सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में 6 भारतीय भाषाएं हैं, इनमें हिंदी विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन गयी है। हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है, लेकिन यह भविष्य तभी साकार होगा जब हम स्वयं अपनी भाषा पर विश्वास करेंगे।

ममता दीदी के बगावती तेवर

सनत जैन

कोलकाता में ममता बनर्जी के बगावती तेवर केवल एक राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं है। बल्कि उस असंतोष की अभिव्यक्ति है, जो पिछले कुछ वर्षों से विपक्ष के भीतर लगातार पनप रही है। प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के दौरान जिस तरह से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं मौके पर पहुंचीं। अधिकारियों के सामने खड़ी हुईं , उन्होंने पार्टी से जुड़े दस्तावेज ईडी के अधिकारियों से छीनकर अपने साथ ले आईं। उसने देश की राजनीति में एक नई और असहज स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। क्या जांच एजेंसियां कानून का निष्पक्ष पालन कर रही हैं ? या वह सत्ता की राजनीतिक रणनीति का हिस्सा और मोहरा बनती जा रही हैं? ममता बनर्जी का आरोप सीधा और गंभीर है। उनका कहना है कि आईपैक और पार्टी से जुड़े लोगों के यहां पड़े छापों का मकसद किसी आर्थिक अपराध की जांच नहीं, बल्कि तृणमूल कांग्रेस की चुनावी रणनीति, उम्मीदवारों की सूची और आईटी सेल का डेटा हासिल करना था। चुनाव के ठीक पहले यदि जांच एजेंसियां सचमुच किसी पार्टी के राजनीतिक दस्तावेजों और डिजिटल डेटा को निशाना बना रही हैं। किसी भी पार्टी के आंतरिक लोकतंत्र की आत्मा पर हमला ही माना जाएगा। चुनावी मुकाबला विचारों और जनसमर्थन से होना चाहिए, नाकि एजेंसियों के सहारे राजनीतिक लड़ाई लड़नी चाहिए।

ईडी का पक्ष है, सर्च कानूनी प्रक्रिया के तहत और पुराने मामलों के आधार पर की गई है। सवाल यह है कि पिछले कुछ वर्षों में ऐसे मामलों में जांच एजेंसियों की सक्रियता अक्सर चुनावों के आसपास ही क्यों दिखाई देती है। झारखंड में हेमंत सोरेन, महाराष्ट्र में शरद पवार और कांग्रेस के बैंक खातों को फ्रीज किए जाने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री दिल्ली के मुख्यमंत्री और मंत्री सभी के खिलाफ एक जैसी घटनाएं यह धारणा मजबूत करती हैं। केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्हें चुनाव में पराजित करने के लिए इस तरह से जांच एजेंसी केंद्र सरकार के सारे पर काम करती है। अब तो यह आप न्यायपालिका पर भी लगने लगा है। न्यायपालिका के निर्णय अब खुली आंख से हो रहे हैं सत्ता पक्ष के लोगों के लिए अलग तरीके से निर्णय आते हैं विपक्ष के लिए अलग तरह से निर्णय देखने को मिलते हैं। जांच एजेंसियों की जांच लंबी चलती है। इसे विपक्षी दलों को बदनाम करने तथा उन्हें चुनाव लड़ने से रोकने के लिए इस तरह की कार्रवाई की जाती है जांच एजेंसी के नतीजे कई वर्षों तक दुर्लभ होते हैं। 2जी 3जी और कोल घोटाले का क्या असर हुआ, अजीत पवार के ऊपर 70000 करोड रुपए के घोटाले के आरोप लगाए गए थे। उसका क्या हुआ ,यह सभी जानते हैं। जांच एजेंसियां चुनाव आयोग की कार्यवाही तथा न्याय पालिका के जो निर्णय हो रहे हैं। उसे विपक्षी राजनीतिक दलों को चुनाव में भारी नुकसान उठाना पड़ता है। पश्चिम बंगाल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश इस्तीफा देकर भाजपा की सदस्यता लेने और पश्चिम बंगाल की सरकार के खिलाफ समय-समय पर जो निर्णय देखने को मिले हैं उसमें पक्षपात होता हुआ दिखता है जिसके कारण अब ममता दीदी पूरे बगावती तेवर में है और वह आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए सड़कों पर उतर गई हैं। ममता बनर्जी का यह आक्रामक रुख इस मायने में अलग है, उन्होंने डर की राजनीति को खुली चुनौती दी है। उन्होंने यह संकेत दिया कि विपक्ष केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहेगा। सत्ता की पक्षपात पूर्ण कार्रवाई जांच एजेंसियों और न्यायपालिका के पक्षपात का सड़कों पर आकर विरोध करेंगी। यह कदम कानूनी जोखिम से भरा हो सकता है। राजनीतिक रूप से उन्होंने खुद को एक आक्रामक नेता के रूप में स्थापित किया है। जो केंद्रीय सत्ता के आगे झुकने को किसी भी कीमत में तैयार नहीं है। यह विवाद केवल बंगाल या तृणमूल कांग्रेस तक सीमित नहीं रहेगा। जांच एजेंसियों, चुनाव आयोग और न्याय पालिका द्वारा जिस तरह से विपक्षी दलों के लिए अलग और सत्ता पक्ष के लिए अलग तरह से काम किया जा रहा है। यह पूरे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ा सवाल और विपक्ष के अस्तित्व से जुड़ा हुआ प्रश्न है।

बांग्लादेश के सवा करोड़ हिन्दुओं की सुध कौन लेगा?

मनोज कुमार अग्रवाल

बांग्लादेश के एक करोड़ तीस लाख हिन्दुओं की सुध लेने वाला कोई नहीं है एक बांग्लादेशी चरमपंथी उस्मान हादी की हत्या के बाद तो हिंदुओं के नरसंहार की झड़ी लग गई है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदायों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। सोमवार को देर रात एक हिंदू दुकानदार मोनी चक्रवर्ती की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जो पिछले 24घंटों में इस तरह की दूसरी घटना है। इससे पहले राणा प्रताप बैरागी नाम के युवक को जान से मार डाला। इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। शर्मनाक बात यह है कि कथित मानवाधिकार का संरक्षण करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और पश्चिमी दुनिया के किसी देश ने बांग्लादेश में कई जा रही सांप्रदायिक हिंसा दरिंदगी के खिलाफ कोई आवाज नहीं उठायी है इससे पता चलता है कि दुनिया का रवैया हिन्दुओं के प्रति कितना असंवेदनशील है। यहां यह भी तथ्य गौरतलब है कि हमारे देश की मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले तमाम विपक्षी दलों के नेताओं ने भी कभी इन बर्बर वारदातों के खिलाफ प्रदर्शन या विरोध की जहमत नहीं की है।

आपको बता दें चोबीस घंटे में दो हिन्दुओं को कट्टरपंथी मजहबी हत्यारों ने मौत के घाट उतार दिया है। 5जनवरी को रात करीब 10बजे नरसिंग्दी जिले के पोलाश उपजिला के चोर्सिंदूर बाजार में किराना दुकान चलाने वाले हिंदू व्यापारी मोनी चक्रवर्ती पर अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल मोनी को अस्पताल ले जाते समय ही मौत हो गई। तो वहीं, परिवार का कहना है कि मोनी का किसी से कोई व्यक्तिगत विवाद नहीं था। वे शांत स्वभाव का था उनकी पत्नी अंतरा मुखर्जी हाउसवाइफ हैं और उनका 12वर्षीय बेटा अभिक चक्रवर्ती है।इसी दिन जेस्सोर जिले में एक अन्य हिंदू कारोबारी 38 वर्षीय राणा प्रताप बैरागी की सिर में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी, जो एक समाचार पत्र के कार्यवाहक संपादक भी थे।

आप जानते हैं कि इन दिनों बांग्लादेश में कट्टरपंथी उन्मादी हिन्दुओं के खिलाफ खून खराबा कर रहे हैं।

आपको पता है कि बंगलादेश में जून, 2024 में शेख हसीना की सरकार के विरुद्ध आरक्षण और नौकरियों आदि में भेदभाव जैसे मुद्दों को लेकर छात्रों द्वारा शुरू किए गए आंदोलन के 3 महीनों बाद अंततः 5 अगस्त, 2024 को शेख हसीना को गद्दी छोड़नी पड़ी और तब से उन्होंने भारत में ही शरण ले रखी है।

शेख हसीना के भारत आने के बाद सेना ने जब मोहम्मद यूनुस को देश की सत्ता सौंप दी तो उम्मीद थी कि शायद वह उदारवादी रवैया अपना कर देश में व्याप्त असंतोष दूर करने और वातावरण सामान्य बनाने में सहायता करेंगे। आशा के विपरीत मो. यूनुस ने देश की पाठ्य पुस्तकों से बंगलादेश के मुक्ति संग्राम और बंग बंधु शेख मजीबुर्रहमान से संबंधित अध्याय निकाल देने का आदेश जारी करके देश के मुक्ति संग्राम का इतिहास मिटाने की कोशिशें शुरू कर दीं और सैंकड़ों आतंकवादियों को जमानत देकर या उनके विरुद्ध आरोप वापस लेकर उन्हें जेलों से बाहर कर दिया है।

सेना और कट्टरपंथियों के दबाव में आकर यूनुस प्रशासन ने देश में 12 फरवरी, 2026 को चुनाव करवाने की घोषणा की है। इसके साथ ही यूनुस ने शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग पर प्रतिबंध लगाकर उसे क्रियात्मक रूप से चुनावों में भाग लेने से रोक दिया है।

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के अगले ही दिन कट्टरपंथी संगठन इन्कलाब मंच के प्रवक्ता और छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी ने ढाका-8 सीट से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी परंतु इसके अगले ही दिन सरेआम एक मोटरसाइकिल सवार ने उसकी हत्या कर दी।

दरअसल चुनावों के लिए तय तारीख की घोषणा के साथ ही बंगलादेश में हिंदुओं पर हमले बढ़ गए तथा मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दो दिसंबर, 2025 से पिछले लगभग 35 दिनों में बांग्लादेश में कम से कम एक दर्जन हिंदुओं की हत्या की गई है।

बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद द्वारा आज जारी एक बयान के अनुसार, अकेले दिसंबर में सांप्रदायिक हिंसा की कम से कम 51 घटनाएं दर्ज की गईं।

एक नजर

अंकिता भंडारी प्रकरण पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सीबीआई जांच की संस्तुति

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वर्गीय अंकिता भंडारी के माता-पिता की अनुरोध व उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए अंकिता भंडारी प्रकरण की सीबीआई जांच कराए जाने की संस्तुति प्रदान की हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य शुरू से अंत तक निष्पक्ष, पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से न्याय सुनिश्चित करना रहा है और आगे भी रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय बहन अंकिता भंडारी के साथ हुई इस अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक घटना की जानकारी मिलते ही राज्य सरकार ने बिना किसी विलंब के पूर्ण संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ कार्रवाई की। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक महिला आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल का गठन किया गया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रकरण से जुड़े सभी अभियुक्तों को शीघ्र गिरफ्तार किया गया तथा राज्य सरकार की ओर से प्रभावी एवं सशक्त पैरवी सुनिश्चित की गई, जिसका परिणाम यह रहा कि विवेचना और ट्रायल के दौरान किसी भी अभियुक्त को जमानत नहीं मिल सकी। एसआईटी ने गहन विवेचना के पश्चात अभियुक्तों के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल की गई और निचली अदालत द्वारा सुनवाई पूर्ण होने पर अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि यह पूरे प्रकरण में इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि राज्य सरकार ने आरंभ से लेकर अंत तक निष्पक्षता, पारदर्शिता और दृढ़ता के साथ न्याय सुनिश्चित किया है। साथ ही, हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही कुछ ऑडियो क्लिप्स के संबंध में भी अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिन पर जांच की प्रक्रिया निरंतर जारी है। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि सरकार की मंशा पूरी तरह स्पष्ट है और किसी भी तथ्य या साक्ष्य की अनदेखी नहीं की जाएगी। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि अंकिता केवल एक पीड़िता नहीं थी, बल्कि वह हमारी भी बहन और बेटी थी। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि हाल ही में उन्होंने स्वयं स्वर्गीय अंकिता भंडारी के माता-पिता से मुलाकात की, जिसमें बातचीत के दौरान उन्होंने मामले की सीबीआई जांच कराए जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय अंकिता के माता-पिता के इस अनुरोध और उनकी भावनाओं का पूर्ण सम्मान करते हुए राज्य सरकार ने इस प्रकरण की सीबीआई से जांच कराने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुनः दोहराया कि राज्य सरकार पहले भी न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध रही है और आगे भी पूरी दृढ़ता एवं संवेदनशीलता के साथ स्वर्गीय बहन अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए संकल्पबद्ध रहेगी।

24 घंटे के भीतर मोटर साइकिल चोर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, देहरादून। थाना रानीपोखरी पुलिस ने मोटर साइकिल चोरी की घटना का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त के पास से चुरायी गई मोटर साइकिल भी बरामद हो गई है। थाना रानीपोखरी पुलिस के मुताबिक जितेन्द्र बडोनी पुत्र वीरेन्द्र प्रकाश निवासी थानों रामनगर डाण्डा, थाना रानीपोखरी ने लिखित तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ बाइक चोरी का मुकदमा दर्ज कराया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद देहरादून व पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्रथम व अपर पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी ऋषिकेश के निर्देशानुसार वांछित/नामजद अपराधियों की धरपकड़ हेतु प्रचलित अभियान के दृष्टिगत पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा पंजीकृत मुकदमे में वांछित अभियुक्त भगवत सिंह पुत्र आलम सिंह निवासी ग्राम रामपुर पो0ऑ0 तुरई थाना थराली जनपद चमोली (उम्र 46 वर्ष) को मुखबिर खास की सूचना पर नागाधेर से एयरपोर्ट तिराहे की ओर भुईयां मन्दिर के पास से चोरी की मोटर साईकिल सहित गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्त द्वारा बताया गया कि दिनांक 08.01.2026 को उसने मोटर साइकिल संख्या च07ङ्क-7952 पल्सर (रंग काला) को थानो चौक के पास दुकान के सामने से चोरी किया था तथा पकड़े जाने से बचने हेतु उसे झाड़ियों में छिपाने ले जा रहा था।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का उर्मिला सनावर ने किया आभार, सीबीआई जांच की संस्तुति का स्वागत

पथ प्रवाह, देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड में सीबीआई जांच की संस्तुति करने के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्णय पर अभिनेत्री उर्मिला सनावर ने उनका आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला उत्तराखंड की जनता की भावना और न्याय की मांग का सम्मान है। उर्मिला सनावर ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि अंकिता भंडारी प्रकरण में सीबीआई जांच की मांग जनता की पुकार थी। जब साक्ष्य सामने आए, तब आम लोगों ने आवाज उठाई और सड़कों पर उतरकर न्याय की मांग की। उन्होंने कहा कि अब वे चेहरे सामने आएंगे, जिन्होंने रिसॉर्ट पर बुलडोजर चलवाया और साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया। उन्होंने यह भी कहा कि सुरेश राठौर की 48 मिनट की रिकॉर्डिंग में ऐसे संकेत हैं, जो किसी 'वीआईपी' की भूमिका की ओर इशारा करते हैं। अब सीबीआई जांच के बाद यह स्पष्ट हो सकेगा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में कौन-कौन शामिल था। उर्मिला सनावर ने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को 'धाकड़ भाई' बताते हुए कहा कि उन्होंने जनता की आवाज सुनते हुए सीबीआई जांच का आदेश दिया, जिसके लिए वह दिल की गहराइयों से धन्यवाद देती हैं। साथ ही उन्होंने उत्तराखंड की जनता का भी आभार जताया, जिसने न्याय के लिए एकजुट होकर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि एसआईटी जांच में पूर्ण सहयोग किया है और आगे भी सीबीआई जांच में हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिया है।

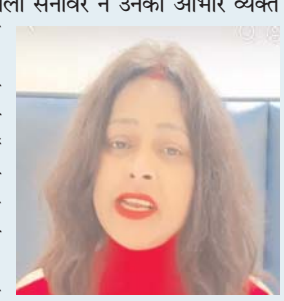

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने उत्तरांचल प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को दिलाई शपथ

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को उत्तरांचल प्रेस क्लब, परेड मैदान, देहरादून में उत्तरांचल प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उत्तरांचल प्रेस क्लब, प्रदेश की लोकतांत्रिक चेतना का सशक्त मंच है। उत्तरांचल प्रेस क्लब ने हमेशा अपनी गरिमा, निष्पक्षता और विश्वसनीयता को बनाए रखा है। उन्होंने कहा पत्रकारिता, लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। यह सरकारों को उत्तरदायी, समाज को जागरूक और आम नागरिक को सजग करता है। स्वतंत्र, जागरूक और जिम्मेदार पत्रकारिता, सरकार और जनता के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल युग में, सोशल मीडिया के माध्यम से फेक न्यूज़ और भ्रामक सूचनाएँ तेज़ी से फैल रही हैं, ऐसे में पत्रकारों की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है। सही तथ्यों के साथ निष्पक्ष और जिम्मेदार रिपोर्टिंग ही समाज को भ्रम से बचा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा उत्तराखंड के पत्रकारों ने हर चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में साहस के साथ अपना काम किया है। उन्होंने कहा पत्रकारों की कलम में वह शक्ति है, जो समस्याओं को उजागर करने के साथ-साथ समाधान का मार्ग भी प्रशस्त करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पत्रकारों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है। पत्रकारों की सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा, आकस्मिक सहायता एवं आवासीय योजनाओं को लेकर कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा मान्यता प्राप्त पत्रकारों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के साथ दिया जा रहा है। वरिष्ठ पत्रकार सम्मान योजना के अंतर्गत अनेक वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित किया गया है। पत्रकार पेंशन में वृद्धि के साथ-साथ, विभिन्न जिलों से देहरादून आने वाले पत्रकारों के लिए सूचना विभाग के माध्यम से आवासीय व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी प्रयास किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तरांचल प्रेस क्लब के भवन निर्माण के मुद्दे को उन्होंने स्वतः ही कैबिनेट में रखा। जिस पर कैबिनेट ने अपनी मंजूरी प्रदान की है। उन्होंने कहा जल्द ही यह भवन एक मॉडल भवन के रूप में बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री पत्रकार पेंशन योजना के अंतर्गत पत्रकार कल्याण कोष का बजट 5 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये किया गया है। उन्होंने कहा उत्तराखंड प्रत्येक क्षेत्र की भांति जनसंचार के क्षेत्र में भी अपनी एक नई पहचान स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मीडिया सेंटरों के आधुनिकीकरण और प्रेस क्लबों के सशक्तिकरण पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा 2026-27 के सामान्य बजट में भी मीडिया सेंटरों को लेकर प्रावधान किए जाएंगे। उन्होंने कहा इससे आने वाले समय में अन्य जिलों में भी पत्रकारों को अच्छी सुविधाएं मिल सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य के प्रति उनका भी ऋण और उत्तरदायित्व है। उन्होंने कहा वो स्वयं भी सामान्य परिस्थितियों से उठकर राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं। वो अपने कर्तव्य का निर्वाह करते रहेंगे। उन्होंने कहा राज्य सरकार ने अपनी कर्तव्यों का निर्वहन पहले भी किया है और आगे भी करते रहेंगे।

उत्तरांचल प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजय सिंह राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हमेशा पत्रकारों के कल्याण के लिए तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा पत्रकार, पत्रकारिता के साथ अन्य क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने उत्तरांचल प्रेस क्लब के भवन निर्माण को लेकर कैबिनेट में हुए फैसले के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजय सिंह राणा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह नेगी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष सोबन सिंह गुसाई, महामंत्री योगेश सेमवाल, संयुक्त मंत्री शिवेश शर्मा, मीना नेगी, कोषाध्यक्ष मनीष डंगवाल, सम्प्रेक्षक विजय जोशी एवं कार्यकारिणी सदस्य वीरेन्द्र डंगवाल 'पार्थ', मनमोहन लखेड़ा, रश्मि खत्री, सुलोचना पयाल, मनोज सिंह जयाड़ा, हरीश थपलियाल, मनबर सिंह रावत, ओम प्रकाश जोशी, हिमांशु जोशी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई।

इस अवसर पर विधायक खजान दास, मेयर सौरभ थपलियाल, दायित्वधारी डॉ. देवेंद्र भसीन, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने टिहरी विस्थापित परिवारों के पुनर्वास पर दिखाई संजीदगी

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से आज मुख्यमंत्री आवास में टिहरी बांध विस्थापित क्षेत्र संघर्ष समिति,भाग-1 पथरी हरिद्वार एवं ग्राम पंचायत आदर्श टिहरी नगर, बहादराबाद के प्रतिनिधि मंडल ने भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने विस्थापितों को भूमिधरी अधिकार दिए जाने एवं पुनर्वास से जुड़े विषयों पर अपनी बात मुख्यमंत्री के समक्ष रखी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस सम्बन्ध में मौके पर ही जिलाधिकारी हरिद्वार एवं जिलाधिकारी टिहरी से दूरभाष पर वार्ता की। मुख्यमंत्री ने सम्बंधित जिला अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रकरण में वैधानिक एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पूर्ण करते हुए तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे विस्थापित परिवारों को शीघ्र राहत मिल सके। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यह भी स्पष्ट किया कि टिहरी बांध परियोजना से

विस्थापित परिवारों के पुनर्वास और उनके अधिकारों का संरक्षण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब को स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक स्वामी यतीश्वरानंद तथा सचिव एस एन. पाण्डेय, ब्लॉक प्रमुख आशा नेगी व ग्राम प्रधान भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री द्वारा तत्काल संज्ञान लेकर दिए गए निर्देशों के लिए आभार व्यक्त किया।

सांसद खेल महोत्सव का भव्य आयोजन, युवाओं को मिला नई उड़ान का मंच

पथ प्रवाह, देहरादून।

भाजपा के राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद नरेश बंसल के तत्वावधान में खेल, शिक्षा एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित 'सांसद खेल महोत्सव' का भव्य आयोजन जनपद/संसदीय क्षेत्र अंतर्गत हॉकी ग्राउंड एवं पवेलियन ग्राउंड, देहरादून में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, राज्यसभा सांसद डॉ. नरेश बंसल एवं विधायक खजानदास ने संयुक्त रूप से किया। सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत वॉलीबॉल, हॉकी, फुटबॉल, खो-खो, कबड्डी, पिठू एवं एथलेटिक्स (100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर) की जनपद स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विभिन्न ब्लॉकों की विजेता टीमों ने प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर

कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य खिलाड़ियों और खेलों को नई दिशा देना है। यह आयोजन खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया विजन से प्रेरित है, जो युवाओं को स्वस्थ, अनुशासित और फिट जीवनशैली के लिए प्रेरित करता है। राज्यसभा सांसद डॉ. नरेश बंसल ने कहा कि यह आयोजन गांव-गांव की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूती मिल रही है। उन्होंने बताया कि विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक विक्रम सिंह, युवा कल्याण अधिकारी प्रमोद पाण्डे, अपर परियोजना निदेशक सोनम गुप्ता, जिला क्रीड़ा अधिकारी रविंद्र भंडारी सहित अधिकारी, कोच एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

सार्वजनिक स्थलों और खुले में गंदगी-कूड़ा फेंकने वालों के विरुद्ध की जाए कार्यवाही: जिलाधिकारी

बीएचईएल, सिडकुल और शिवालिकनगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के डीएम ने दिये निर्देश

पथ प्रवाह, हरिद्वार। बीएचईएल टाउनशिप क्षेत्र सिडकुल, शिवालिक नगर पालिका और नगर निगम क्षेत्रांतर्गत बेहतर साफ सफाई व्यवस्था रखने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में बीएचईएल, शिवालिक नगर पालिका एवं नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि जनपद को साफ, स्वच्छ एवं सुंदर जनपद बनाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देशन में एक माह 21 दिन से लगातार सफाई अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें सभी अधिकारियों द्वारा इस अभियान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। उन्होंने बीएचईएल के अधिकारियों से अपेक्षा की है कि बीएचईएल टाउनशिप, सिडकुल एवं शिवालिक नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत सफाई व्यवस्था में पूर्ण सहयोग करने की कहा गया है।

बीएचईएल क्षेत्रांतर्गत जिन स्थानों में कूड़ा कचरा डंप किया गया है, उन स्थानों से सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा गया। इसके साथ ही जिन क्षेत्रों में जो भी अतिक्रमण है उसको तत्काल हटाने के लिए कहा गया।

नालों में डाला जाए कचरा, रखे विशेष ध्यान

जिलाधिकारी ने कहा कि जो भी व्यक्ति खुले में या सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा कचरा फेंकता है तो ऐसे लोगों का चालान करते हुए उनके विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाए। साथ ही किसी भी दशा में नालों में कूड़ा कचरा न जाए इसके लिए विशेष सफाई व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका शिवालिक नगर को निर्देश दिए है कि क्षेत्र में साफ सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने एवं नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत जो भी अतिक्रमण है उसे तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने क्षेत्र से निकलने वाले कूड़े के उचित निस्तारण हेतु डंपिंग जोन बनाए जाने हेतु नगर निगम एवं बीएचईएल के साथ समन्वय करते हुए भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने नगर निगम को भी निर्देश दिए है कि नगर निगम क्षेत्रांतर्गत सफाई व्यवस्थाओ को दूरस्त रखे एवं जिन क्षेत्रों में कूड़ा एकत्रित हो रखा है या जिन क्षेत्रों में कूड़ा पड़ा हुआ है ऐसे क्षेत्रों से तत्काल कूड़ा हटाने की कार्यवाही की जाए।

बैठक में मौजूद रहे ये अधिकारी

बैठक में मुख्य नगर आयुक्त नंदन कुमार,अपर जिलाधिकारी प्रशासन पी आर चौहान, बीएचईएल कार्यकारी निर्देशक रंजन कुमार,बीएचईएल महाप्रबंधक संतोष कुमार गुप्ता, एचआरडीए सचिव मनीष कुमार,सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान,उप मुख्य नगर आधिकारी दीपक गोस्वामी, ईओ नगर पालिका शिवालिक नगर तारिक खान,तहसीदार सचिन कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

डीएवी राष्ट्रीय खेलों में डीएवी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल बबराला का शानदार प्रदर्शन

पथ प्रवाह, बबराला (संभल)। डीएवी प्रबंधन समिति द्वारा 6 से 8 जनवरी 2025 तक झारखंड की राजधानी रांची और उत्तराखंड की राजधानी हरिद्वार में आयोजित बालकों की राष्ट्रीय स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में डीएवी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल, बबराला के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय, जनपद और क्षेत्र का नाम रोशन किया। विभिन्न खेल स्पर्धाओं में विद्यालय के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल और अनुशासन का परिचय देते हुए कई पदक अपने नाम किए।

अंडर-14 वर्ग की मुक्केबाजी प्रतियोगिता में विद्यालय के अभिषेक कुमार और देव गौतम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अर्जित किए। एथलेटिक्स स्पर्धाओं में शिव प्रताप ने अंडर-19 वर्ग में लंबी कूद और

तिकड़ी कूद में दो स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय को विशेष गौरव दिलाया। वहीं अंडर-17 वर्ग में आयुष कुमार ने चक्र क्षेपण प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया। अंडर-14 वर्ग में दक्ष कुमार ने भाला फेंक में कांस्य पदक हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

इसके अलावा अंडर-14 बालक फुटबॉल प्रतियोगिता में डीएवी बबराला की टीम ने रोमांचक मुकाबलों के बाद उपविजेता स्थान प्राप्त किया और कुल सात रजत पदक विद्यालय की झोली में डाले।

विद्यालय के प्रधानाचार्य आनन्द स्वरूप सारस्वत ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और प्रशिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय के चेयरमैन एम.एस. प्रसाद ने भी खिलाड़ियों और विद्यालय परिवार को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएँ दी।

एक नजर

खंजरपुर में पनीर निर्माण इकाई पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

पथ प्रवाह, हरिद्वार। खंजरपुर क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने एक डेरी में संचालित पनीर निर्माण इकाई पर छापेमारी की। सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई के दौरान डीप फ्रीजर में लगभग एक कुंतल तैयार पनीर पाया गया।

डेरी संचालक साजिद अली पुत्र इरफान अली ने अधिकारियों को बताया कि पनीर शुद्ध दूध से ही तैयार किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा मौके पर गहन जांच की गई, जिसमें किसी भी प्रकार का संदिग्ध पदार्थ, रिफाइंड या स्किम्ड मिल्क नहीं मिला।

नियमानुसार पनीर के दो सैंपल लेकर उन्हें राज्य प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई का नेतृत्व वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेन्द्र पाण्डेय ने किया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

रेट्रो साइलेंसर बना भारी मिस्टेक, रानीपुर पुलिस ने बुलेट राजा को दबोचा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कोतवाली रानीपुर क्षेत्र में पुलिस चेकिंग के दौरान कानून का उल्लंघन करने वाले बुलेट चालक पर कड़ी कार्रवाई की गई। रेट्रो साइलेंसर लगाकर पटाखों जैसी तेज आवाज निकाल रहा बुलेट सवार पुलिस को देखकर भागने की फिराक में था, लेकिन सतर्क पुलिसकर्मियों ने उसे मौके पर ही रोक लिया। जांच के दौरान वाहन संख्या च08ह 1937 में अवैध रेट्रो साइलेंसर पाया गया। चालक की पहचान विकास चौहान पुत्र किशन पाल सिंह निवासी ग्राम सलेमपुर, कोतवाली रानीपुर के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा वाहन के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। हरिद्वार पुलिस ने आमजन से अपील की है कि रेट्रो साइलेंसर, स्टंट और तेज आवाज जैसी गतिविधियों से बचें, यातायात नियमों का पालन करें और सड़क सुरक्षा में पुलिस का सहयोग करें।

गृह मंत्रालय के सामने धरना दे रहे आठ तृणमूल कांग्रेस सांसद हिरासत में

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक छापेमारी की कार्रवाई के विरोध में शुक्रवार को यहां गृह मंत्रालय के समक्ष धरना प्रदर्शन कर रहे तृणमूल कांग्रेस के आठ सांसदों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इन सांसदों में डेरेक ओ ब्रायन, महुआ मोइत्रा, शताब्दी रॉय, साकेत गोखले, कीर्ति आजाद, प्रतिमा मंडल, बापी हलदर और डॉ. शर्मिला सरकार शामिल हैं।इन सांसदों ने केंद्र सरकार पर जांच एजेंसी के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। प्रदर्शन के दौरान सांसद अपने हाथों में तख्तियां लिए हुए थे, जिन पर 'अमित शाह की ईडी बनाम बंगाल की जनता' और 'चाहे जितने हमले करो, बंगाल फिर जीतेगा' जैसे नारे लिखे थे।

पूर्व विधायक सुरेश राठौर से एसआईटी ने की करीब छह घंटे पूछताछ

पथ प्रवाह, हरिद्वार

अंकिता भंडारी केस से जुड़े ऑडियो-वीडियो प्रकरण की जांच के तहत गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) के समक्ष पूर्व विधायक सुरेश राठौर पेश हुए। एसआईटी ने पूर्व विधायक सुरेश राठौर से करीब 5 से 6 घंटे तक पूछताछ की। इस दौरान एसआईटी अधिकारियों ने प्रकरण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गहन सवाल-जवाब किए।

एसआईटी के समक्ष पेश होने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व विधायक सुरेश राठौर ने कहा कि आज उन्हें जांच के सिलसिले में बुलाया गया था और लगभग 5-6 घंटे तक जांच पड़ताल चली। उन्होंने बताया कि जो भी तथ्य उनके सामने थे, वे सभी उन्होंने एसआईटी के समक्ष स्पष्ट रूप से रख दिए हैं। साथ ही उन्होंने जांच एजेंसी को हर संभव सहयोग देने की बात दोहराई। पूर्व विधायक सुरेश राठौर ने कहा कि उन्होंने

एसआईटी को यह साफ कर दिया है कि जब-जब उनकी आवश्यकता होगी, वे जांच में पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि इस प्रकरण में कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और वह कानून के दायरे में आए। अपने ऊपर लगाए जा रहे आरोपों को लेकर सुरेश राठौर ने कहा कि उन पर लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह से निराधार हैं। उन्होंने दावा किया कि इस संबंध में सभी तथ्य और अपनी स्थिति उन्होंने एसआईटी के सामने रख दी है। उन्होंने दो टूक कहा कि इस जांच में वह शत-प्रतिशत सहयोग करेंगे और यदि आवश्यकता पड़ी तो न्यायालय में भी अपना पक्ष रखने के लिए तैयार हैं। गौरतलब है कि अंकिता भंडारी प्रकरण से जुड़े ऑडियो-वीडियो सामने आने के बाद एसआईटी जांच तेज हो गई है। मामले से जुड़े विभिन्न लोगों से लगातार पूछताछ की जा रही है, ताकि पूरे प्रकरण की सच्चाई सामने आ सके। 8 जनवरी 2025 को एसआईटी ने उर्मिला सनावर से भी करीब सात आठ घंटे पूछताछ की थी।

एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह ने कहा कि सुरेश राठौर से करीब छह घंटे पूछताछ की गई है। बयानों को दर्ज कर लिया गया है।

डीएम अंशुल सिंह का कड़ा रुख

क्षेत्र पंचायत बैठकों में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

पथ प्रवाह

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा जनपद में क्षेत्र पंचायत बैठकों को प्रभावी और परिणामोन्मुखी बनाने के लिए जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने सख्त निर्देशों के साथ जनवरी से मार्च 2026 तक का रोस्टर जारी किया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार जनवरी माह में 23 को भैसियाछाना, 28 को ताकुला और 30 जनवरी को ताड़ीखेत में बैठकें आयोजित होंगी। फरवरी में 6 को चौखुटिया, 12 को धौलादेवी, 16 को द्वाराहाट और 26 फरवरी को हवालबाग में क्षेत्र पंचायत की बैठकें होंगी। मार्च में 6 को लमगड़ा, 20 को सल्ट और 30 मार्च को भिकियासैंण में बैठकें प्रस्तावित हैं।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि सभी जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी और बैठकों में विभागीय कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ-साथ ग्राम और विकासखंड स्तर की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि बिना अनुमति अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि क्षेत्र पंचायत बैठकों में पारित प्रस्तावों को प्रस्ताव संख्या सहित संबंधित विभाग को भेजा जाएगा। खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि बैठकों के बाद तीन दिन के भीतर अनुपस्थित अधिकारियों की सूची मुख्यालय भेजी जाए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर रोस्टर तिथियों के अतिरिक्त भी बैठकें की जा सकती हैं, ताकि विकास योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

महिला पर हमला करने वाले गुलदार के आतंक का हुआ अंत, वन विभाग की टीम ने किया ढेर

पथ प्रवाह, पौड़ी।

जनपद पौड़ी के नागदेव क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ढांडरी में गुलदार के हमले से लंबे समय से बनी दहशत का अंत हो गया है। जनसुरक्षा के दृष्टिगत चिन्हित गुलदार को वन विभाग की टीम ने ढेर कर दिया है। नवंबर माह में महिला पर हुए जानलेवा हमले के बाद क्षेत्र में लगातार खतरे की स्थिति बनी हुई थी।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 21 नवंबर 2025 को ग्राम ढांडरी निवासी भगवान देवी पर थलदार तोक क्षेत्र में घास काटते समय गुलदार ने हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घटना के बाद से क्षेत्र को मानव-वन्यजीव संघर्ष की संवेदनशील श्रेणी में रखते हुए व्यापक निगरानी एवं सुरक्षा अभियान चलाया गया।

प्रभागीय वनाधिकारी महातिम यादव ने बताया कि जिला प्रशासन तथा वन विभाग द्वारा गुलदार को सुरक्षित रूप से पकड़ने हेतु 5 पिंजरे, 15 ट्रैप कैमरे, 4 लाइव सोलर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए तथा पगचिह्नों के माध्यम से लगातार निगरानी की गयी। ट्रैंक्युलाइजेशन के लिए सिविल सोयम वन प्रभाग पौड़ी, रुद्रप्रयाग वन प्रभाग तथा राजाजी नेशनल पार्क की विशेषज्ञ टीमों का सहयोग लिया गया।

उन्होंने बताया कि सभी वैकल्पिक प्रयास विफल रहने और गुलदार की निरंतर आवाजाही से भविष्य में जनहानि की आशंका को देखते हुए, उच्च स्तर से प्राप्त अनुमति के क्रम में दिनांक 08 जनवरी 2026 की रात्रि लगभग 10:15 बजे विभागीय टीम द्वारा ग्राम ढांडरी क्षेत्र में चिन्हित गुलदार को शूट किया गया। साथ ही पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा मृत गुलदार का विधिवत पोस्टमॉर्टम कराया गया। उन्होंने बताया कि मारा गया गुलदार नर था, जिसकी आयु लगभग 10 वर्ष आँकी गयी है।

जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने कहा कि जनपद में नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। गुलदार हमले की इस गंभीर घटना के बाद वन विभाग, प्रशासन और विशेषज्ञ टीमों द्वारा सभी वैकल्पिक उपाय अपनाए गए, किंतु परिस्थितियों को देखते हुए भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने हेतु यह कार्रवाई अंतिम विकल्प के रूप में की गयी।

उन्होंने कहा कि प्रशासन मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को लेकर अत्यंत संवेदनशील है और प्रभावित क्षेत्रों में सतत निगरानी, त्वरित सूचना तंत्र तथा जनजागरुकता को और मजबूत किया जाएगा। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन या वन विभाग को दें।

एक नजर

स्वच्छता अभियान में लापरवाही : सहायक विकास अधिकारी पंचायत को प्रतिकूल प्रविष्टि, वेतन भी रोका

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद हरिद्वार को स्वच्छ और सुदंरता में मॉडल जनपद बनाए जाने की दिशा में चल रहे स्वच्छता अभियान में लापरवाही का मामला सामने आया है। अभियान में लापरवाही बरतने पर सहायक विकास अधिकारी पंचायत को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई हैं, साथ ही उनका वेतन रोकने के निर्देश भी दिये गए हैं।

मुख्य विकास अधिकारी डॉ ललित नारायण मिश्र ने बताया कि उनके द्वारा जमालपुर कलां में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पेयजल योजना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम में अत्यधिक कूड़ा/गंदगी पाई गई। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशन में शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक विशेष स्वच्छता महाअभियान चलाया जा रहा है। परन्तु जमालपुर कलां गांव में फैली गंदगी से ऐसा प्रतीत होता है कि विकास खंड बहदराबाद में तैनात सहायक विकास अधिकारी पंचायत द्वारा सफाई अभियान में कोई रुचि नहीं ली गई है। जबकि उन्हें गांव में सफाई व्यवस्था के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। स्पष्ट निर्देश दिये जाने के बावजूद सफाई सहायक विकास अधिकारी पंचायत अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों के प्रति सजग नहीं दिखे। उनके द्वारा उच्च अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना की गई है। इसे देखते हुए सहायक विकास अधिकारी पंचायत को विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि की संस्तुति की गई है। सीडीओ ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि अग्रिम आदेशों तक ग्राम विकास अधिकारी पंचायत का वेतन भी रोक दिया जाए।

बिजली चोरी पर शिकंजा, 5 गांवों में एक साथ छापा, 160 से अधिक मामले उजागर

पथ प्रवाह, हरिद्वार। रूड़की में बिजली चोरी के खिलाफ ऊर्जा निगम ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया। विजिलेंस, पीएसी और ऊर्जा निगम की संयुक्त टीम ने एक साथ पांच गांवों में सघन छापेमारी कर 160 से अधिक बिजली चोरी के मामलों का खुलासा किया। इस अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बिजली चोरी करने वालों में खलबली देखी गई। रूड़की क्षेत्र के बेलड़ा, घोड़ेवाला, भोंरी डेरा, मरगूबपुर और बढ़ेड़ी गांवों में देहरादून से पहुंची विजिलेंस टीम, पीएसी के जवानों और ऊर्जा निगम के अधिकारियों ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की। जांच के दौरान कई घरों में सीधे बिजली के पोल से अवैध कनेक्शन लेकर बिजली का उपयोग किया जा रहा था। इसके अलावा खेतों की मोटरों, पानी की टंकियों और घरेलू उपकरणों में भी चोरी की बिजली चलती पाई गई। ऊर्जा निगम ने सभी मामलों में विद्युत चोरी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में अधिशासी अभियंता अनिल मिश्रा ने कहा, 'बिजली चोरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और आगे भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा। इस चेकिंग अभियान के बाद पूरे क्षेत्र में बिजली चोरी करने वालों में दहशत का माहौल है।

सेवा की मिसाल बने सीएमओ, रेडियोलॉजिस्ट के न होने पर खुद कर रहे अल्ट्रासाउंड

पथ प्रवाह, पौड़ी।

जनपद पौड़ी में स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौतियों के बीच मुख्य चिकित्सा अधिकारी (ष्टस्ह्र) डॉ. शिव मोहन शुक्ला आम जन के लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आए हैं। जिला अस्पताल पौड़ी में तैनात रेडियोलॉजिस्ट के लंबी छुट्टी पर चले जाने के कारण मरीजों को अल्ट्रासाउंड जांच में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए सीएमओ डॉ. शुक्ला ने एक सराहनीय निर्णय लिया और स्वयं अल्ट्रासाउंड जांच करने की जिम्मेदारी संभाल ली।

डॉ. शिव मोहन शुक्ला प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड के लिए आने वाले मरीजों की जांच कर रहे हैं। वे अपने प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ मरीजों को यह सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे दूर-दराज़ से आने वाले लोगों को राहत मिल रही है। पहाड़ी क्षेत्रों में जहां पहले से ही स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी एक बड़ी चुनौती है, वहां इस तरह की पहल मरीजों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है। सीएमओ डॉ. शुक्ला ने बताया कि जिला अस्पताल में तैनात रेडियोलॉजिस्ट के अवकाश पर जाने के कारण अल्ट्रासाउंड सेवाएं प्रभावित हो रही थीं। मरीजों की परेशानी को देखते हुए उन्होंने यह फैसला लिया। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व में वे स्वयं रेडियोलॉजिस्ट के रूप में कार्य कर चुके हैं और उन्हें अल्ट्रासाउंड का अच्छा अनुभव है, जिसका लाभ वे अब मरीजों को दे रहे हैं। डॉ. शिव मोहन शुक्ला की यह पहल न केवल जिला अस्पताल की बदहाल व्यवस्था को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि अन्य चिकित्सकों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उनकी कार्यशैली यह संदेश देती है कि यदि इच्छाशक्ति हो तो सीमित संसाधनों में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दी जा सकती हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बीएलए की करें नियुक्ति: उप निर्वाचन अधिकारी

पथ प्रवाह, पौडी।

निर्वाचक नामावली के आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उप निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जनपद स्तरीय पदाधिकारियों व अधिकृत प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में भारत निर्वाचन आयोग की व्यवस्था के तहत बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की नियुक्ति की स्थिति पर चर्चा की गयी। इस दौरान उप निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के प्रत्येक मतदेय स्थल पर बीएलए की भूमिका निर्वाचक नामावली के शुद्धिकरण और अद्यतन कार्य में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कुछ राजनीतिक दलों द्वारा बीएलए-1 की नियुक्ति की जा चुकी है, जबकि बीएलए-2 की नियुक्ति सभी मतदेय स्थलों के लिए अभी पूरी नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि जिन बूथों पर अब तक बीएलए-2 की नियुक्ति नहीं हुई है, वहां समय रहते प्रक्रिया पूरी कर बीएलए-2 की सूची एवं बीएलए फॉर्म आईडी-2 जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण की कार्यवाही निर्बाध रूप से आगे बढ़ सके।

उप निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया जनपद के पूर्व निर्धारित 945 मतदेय स्थलों पर ही संपादित की जानी है। उन्होंने कहा कि समय पर बीएलए की नियुक्ति और सूची उपलब्ध होने से निर्वाचक नामावली को अधिक पारदर्शी, शुद्ध और त्रुटिरहित बनाया जा सकेगा। इस अवसर पर सहायक निर्वाचन अधिकारी शांति लाल शाह, राजनीतिक दलों से राजेंद्र राणा, भरत रावत सहित अन्य उपस्थित रहे।

बीरोंखाल और थलीसैंण में 13 व 14 जनवरी को लगेगा बहुउद्देशीय शिविर

पथ प्रवाह, पौड़ी।

जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत सभी न्याय पंचायतों में बहुउद्देशीय शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया की अध्यक्षता में 13 जनवरी को विकासखंड बीरोंखाल की न्याय पंचायत स्यूंसी में ट्रेडिंग सेंटर नौगांव तथा 14 जनवरी को विकासखंड थलीसैंण की न्याय पंचायत पित्रसैंण में राजकीय इंटर कॉलेज गंगाऊ, थलीसैंण में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित तिथियों को शिविर स्थलों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने-अपने स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दें और मौके पर ही पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। न्याय पंचायत में रहने वाली जनता से भी अपील की गई है कि वह अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंच कर सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं का समाधान कराएं।

हरकी पैड़ी क्षेत्र में भिखारियों और बिजली की समस्या का हो समाधान: डॉ. विशाल गर्ग

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों ने जिलाध्यक्ष डॉ. विशाल गर्ग के नेतृत्व में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित से भेंटकर व्यापारिक समस्याओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। समस्याओं के संबंध में व्यापारियों ने एक ज्ञापन भी जिलाधिकारी को सौंपा। मुख्य मुद्दा हरकी पैडी क्षेत्र में भिखारियों और बिजली समस्या का रहा।

इस दौरान डॉ. विशाल गर्ग ने कहा कि हरकी पैड़ी के आसपास भिखारियों की बढ़ती संख्या से श्रद्धालुओं और व्यापारियों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए सत्यापन अभियान चलाकर भिखारियों को क्षेत्र से बाहर किया जाए। उन्होंने कहा कि हरकी पैड़ी पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। इसलिए हरकी पैड़ी और आसपास के क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था को दुरूस्त किया जाए। साथ ही सूखी नदी क्षेत्र में

पार्किंग की व्यवस्था की जाए। डॉ. विशाल गर्ग ने ऋषिकुल आयुर्वेदिक कालेज में बॉयो टायलेट का निर्माण करने की मांग भी की। तहसील अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि धार्मिक कार्यक्रमों और शोभायात्राओं में देवी देवताओं की वेशभूषा धारण कर नृत्य करने पर रोक लगायी जाए। प्रदेश उपाध्यक्ष शिवकुमार कश्यप व शहर अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने कहा कि व्यापारी राज्य की आर्थिकी को मजबूत करने के साथ सामाजिक सेवाओं में भी योगदान देते हैं। व्यापारियों द्वारा उठायी समस्याओं पर प्रशासन को गंभीरता पूर्वक कार्रवाई करनी चाहिए। डॉ. विशाल गर्ग ने बताया कि जिलाधिकारी ने व्यापारियों द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष शिवकुमार कश्यप, प्रदेश सचिव मयंक मूर्ति भट्ट, जिला अध्यक्ष डा.विशाल गर्ग, तहसील अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक, शहर अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, शहर महामंत्री विमल सक्सेना, जिला महामंत्री अश्वनी शर्मा, जिला उपाध्यक्ष विशाल मूर्ति भट्ट शामिल रहे।

एक नजर

दून पुलिस की बड़ी सफलता, किरायेदार दंपति गिरफ्तार

पथ प्रवाह, देहरादून। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के नेतृत्व में दून पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए चोरी की बड़ी घटना का खुलासा किया है। थाना प्रेमनगर क्षेत्र में मकान मालिक के घर से आभूषण चोरी करने वाले किरायेदार दंपति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्तों के कब्जे से लगभग 8 लाख रुपये मूल्य के चोरी किए गए आभूषण बरामद किए गए हैं। थाना प्रेमनगर क्षेत्र अंतर्गत सुद्धोवाला झाझरा निवासी गीता देवी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके किरायेदार दंपति ने मकान किराये पर लेने के मात्र पांच दिन के भीतर उनके आभूषण चोरी कर लिए। शिकायत के आधार पर थाना प्रेमनगर में मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम गठित की गई। सुरागरसी-पतारसी के दौरान जानकारी मिली कि अभियुक्त रुद्रप्रयाग जनपद के निवासी हैं और घटना के बाद फरार चल रहे थे। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने 8 जनवरी 2026 को नीरज लाल और अंजली देवी को धूलकोट तिराहे से गिरफ्तार कर चोरी की ज्वैलरी बरामद की। पुलिस ने जनता से अपील की है कि किरायेदार रखने से पूर्व उनका सत्यापन अवश्य कराएं।

रुड़की में दो पक्षों के बीच मारपीट का वीडियो वायरल, पुलिस जांच में जुटी

पथ प्रवाह, रुड़की। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत डीएवी कॉलेज के बाहर दो पक्षों के बीच हुए विवाद और मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में युवक आपस में झगड़ते हुए नजर आ रहे हैं, वहीं गोली चलने जैसी आवाज सुनाई देने से इलाके में दहशत फैल गई। घटना के दौरान एक युवक के घायल होकर जमीन पर गिरने का दृश्य भी वीडियो में कैद हुआ है। हालांकि, अब तक किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस को कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। वीडियो के वायरल होते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है, ताकि मारपीट में शामिल युवकों की पहचान की जा सके। सीओ रुड़की नरेंद्र पंत ने बताया कि वीडियो में फायरिंग जैसी आवाज जरूर सुनाई दे रही है, लेकिन इसकी पुष्टि अभी नहीं हो पाई है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने 'शीतलहर पूर्व तैयारी' कार्यशाला का किया शुभारंभ, आपदा प्रबंधन सामूहिक जिम्मेदारी

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सर्वे ऑफ इंडिया ऑडिटोरियम, हाथीबड़कला में 'शीतलहर पूर्व तैयारी' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने शीतलहर, बाढ़, मॉक अभ्यास, हवाई यातायात सहायता की एसओपी, आपदा प्रबंधन विभाग के नववर्ष कैलेंडर 2026 एवं आपदा प्रबंधन हस्तपुस्तिका का विमोचन किया। कार्यक्रम में युवा आपदा मित्रों एवं वर्ष 2025 में आपदा के दौरान उत्कृष्ट राहत एवं बचाव कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित किया गया। साथ ही आपदा प्रबंधन के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा उपलब्ध कराए गए चार वाहनों को भी मुख्यमंत्री ने फ्लैग ऑफ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा प्रबंधन किसी एक विभाग का कार्य नहीं, बल्कि प्रशासन, स्थानीय निकायों, स्वयंसेवी संगठनों और आमजन की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीकों के उपयोग से

राज्य में ड्रोन सर्विलांस, जीआईएस मैपिंग, सैटेलाइट मॉनिटरिंग और अर्ली वार्निंग सिस्टम को सुदृढ़ किया जा रहा है। हिमालयी राज्य होने के कारण हिमस्खलन, अत्यधिक हिमपात और शीतलहर जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार सतर्क और तैयार है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि शीतलहर प्रभावित क्षेत्रों में समय पर चेतावनी, अलाव, रैन बसेरे, कंबल और स्वास्थ्य सेवाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिला अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों और मोबाइल मेडिकल टीमों को पूरी तरह सक्रिय रखने पर जोर दिया गया।

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि शीतलहर का प्रभाव धीमा लेकिन गंभीर होता है, इसलिए इसे प्रशासनिक और सामाजिक दायित्व के रूप में लेना होगा।

कार्यक्रम में राजेन्द्र सिंह, विनय रोहिला, विनोद कुमार सुमन, आनंद स्वरूप, राजीव स्वरूप, राजकुमार नेगी और मो. ओबैदुल्लाह अंसारी सहित आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता अभियान: 52 दिन से चल रहा शहर से लेकर गांव तक साफ सफाई कार्य

पथ प्रवाह, हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार को स्वच्छ, स्वच्छ एवं सुंदर बनाए जाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देशों पर जनपद हरिद्वार में तेजी से कार्य हो रहा है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित स्वयं पूरे अभियान की निगरानी कर रहे हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर सभी विभागीय अधिकारी फील्ड में उतरे हुए हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर नए साल से महा सफाई अभियान की शुरूआत की गई है। इसके तहत सभी सरकारी कार्यालयों और परिसरों में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार को बीएचईएल नगर प्रशासक संजय पवार ने अवगत कराया है कि बीएचईएल क्षेत्रांतर्गत डीपीएस स्कूल के समीप सड़क से लेकर खोखा मार्केट सेक्टर 4 के चौराहे तक भेल टाउनशिप प्रशासन विभाग द्वारा व्यापक साफ सफाई अभियान चलाया गया। अधिशासी अभियंता लोनिवि दीपक कुमार ने अवगत कराया है कि शंकर आश्रम से ऊंचा पुल क्षेत्रांतर्गत सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। खंड विकास अधिकारी बहादराबाद ने अवगत कराया है

कि विकास खंड बहादराबाद में मोहम्मदपुर कुन्हारी में सफाई अभियान चलाया गया। खंड विकास अधिकारी रुड़की ने अवगत कराया है कि रुड़की क्षेत्रांतर्गत हलवाहेडी, ब्रह्मपुर, बेलड़ी सालहापुर में साफ अभियान चलाया गया। खंड विकास अधिकारी खानपुर ने अवगत कराया है कि ग्राम पंचायत खानपुर प्रल्हादपुर, गोरधनपुर क्षेत्रांतर्गत में साफ अभियान चलाया गया तथा 12 कुंटल कूड़ा एकत्रित किया गया। खंड विकास अधिकारी नारसन ने अवगत कराया है कि नारसन क्षेत्रांतर्गत मंडोली, नसीरपुर, मुडलाना आदि क्षेत्रों में साफ अभियान चलाया गया। नेचर फाउंडेशन सोसायटी के द्वारा अलकनंदा घाट पर चलाया गया स्वच्छता अभियान।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com